



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 42] नई विल्सो, शनिवार, अक्टूबर 19, 1985 (आश्विन 27, 1907)  
 No. 42] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 19, 1985 (ASVINA 27, 1907)

इस भाग में चिन्ह पृष्ठ संख्या वाली है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
 (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## विषय सूची

भाग I—बाण्ड-1—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्त मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए संकल्पों और अधिकारिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं

भाग I—बाण्ड-2—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्त मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं

भाग I—बाण्ड 3—रक्त मंत्रालय द्वारा जारी किए गये संकल्पों और अधिकारिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं

भाग I—बाण्ड 4—रक्त मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं

भाग II—बाण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम

भाग II—बाण्ड-1-क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राप्तिहत वाच

भाग II—बाण्ड 2—विवेदक तथा विवेदकों पर प्रधार समितियों के विज्ञ तथा रिपोर्ट

भाग II—बाण्ड -3—उप-बाण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्त मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकारणों (संचार मंत्रालय के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपलब्धियां शामिल हैं)

भाग II—बाण्ड 3—उप-बाण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्त मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकारणों (संचार मंत्रालय के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

\*पृष्ठ संख्या वाले वहाँ हैं।

पृष्ठ

769

1301

1453

\*

\*

\*

\*

\*

\*

भाग II—बाण्ड 3—उप-बाण्ड(iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्त मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकारणों (संचार मंत्रालय के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपलब्धियां भी शामिल हैं) के हिन्दी में प्राप्तिहत वाच (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के बाण्ड 3 या बाण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)

भाग II—बाण्ड 4—रक्त मंत्रालय द्वारा किए गए सांविधिक नियम और आदेश

पृष्ठ

351 63

233

1857

175

\*

भाग III—बाण्ड 1—सुचकात्मक स्थायालय, महालेखा परीक्षक, संचार लोक सेवा आयोग, रेलवे प्रशासनों, उच्च स्थायालयों और भारत सरकार के संचार और अधिनस्य कायदालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

भाग III—बाण्ड 2—रैटट कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस शामिल हैं

## CONTENTS

PAGE		PAGE	
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) .. .	769	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administrations of Union Territories) .. . *	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) .. .	1301	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence .. *	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence .. .		PART III—SECTION 1—Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railways Administrations, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India .. .	35163
PART I—SECTION 4—Notification regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence .. .	1453	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	733
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations .. .		PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners .. .	
PART II—SECTION 1-A—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations .. .		PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies .. .	1857
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills .. .		PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..	175
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including orders, by-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) .. *		PART V—Supplement showing statistics of Birth and Deaths etc. both in English and Hindi .. *	
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) .. *			

## भाग I—खण्ड 1

## [PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा आरी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and the Supreme Court]

## राष्ट्रपति संधिवालय

नई विली, दिनांक 7 अक्टूबर 1985

सं० 103-प्रेज/85--राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्ति को मर्यादित वीरता के लिए “श्रमोक चक” प्रदान करने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :--

9920311 लांस हवलदार छेरिंग मुतुप, लद्वाबा स्काउट्स।

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि 21 फरवरी, 1985)

लांस हवलदार छेरिंग मुतुप को जम्मू-कश्मीर के एक अग्रिम झेत्र में एक बहुत ही कठिन काम सौंपा गया था। वह झेत्र बहुत अधिक ऊंचाई पर था और वहाँ पर ऐज हवाओं, भारी हिमपात और बफानी तूफान के बीच प्रपत्ते दल की परवाह किए गए थे। बहुत बहादुरी के साथ प्रकृति के तीखे प्रहारों का सामना करते हुए इन्होंने अपने दल का होसला बहाया और गहरी संकरी घाटियों, गहरे दूर तक फैले ग्लैशियरों और झेत्र की दीवारों को पार किया। हिमदंग से बायस होने के कारण इन्होंने सुरक्षित स्थान पर ले जाने की कोशिश की जा रही थी। परन्तु इन्होंने काम पूरा होने तक वहाँ से हटने से इंकार कर दिया। उस हिमदंग के कारण बाद में इनकी एक टांग को काट देना पड़ा।

इस प्रकार लांस हवलदार छेरिंग मुतुप ने अनि अमाधारण कोटि की वीरता, भनकरणीय साहस और उच्चकोटि की असाधारण कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

सं० 104-प्रेज/85--राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को उत्कृष्ट वीरता के लिए “कीर्ति चक” प्रदान करने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :--

1. लैफिटेट कर्नल सत्य स्वरूप शर्मा (आई सी-16529), हंजीनियर्स।

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि 1 मार्च, 1984)

अनुसंधान तथा विकास स्थापना (हंजीनियर्स), छिंघी, पुणे के लैफिटेट कर्नल सत्य स्वरूप शर्मा, स्वेच्छा से तीसरे अंटार्कटिक अधियान दल में शामिल हुए। और 1 मार्च, 1984, से 15 फरवरी, 1985, तक अवधि के बीच अंटार्कटिक में भारतीय अनुसंधान केंद्र (विभिन्न गंगोत्री) में पहली बार शील-भृतु में काम करने वाले दल के नेता चुने गए। यह पहला अवसर था जब भारतीय अधियान दल पूरी शीतभृतु में अंटार्कटिक में रहा जहाँ तापमान मूल्य से 50 डिग्री सेलिसियस तक नीचे आ जाता है। और 300 कि० मी० प्रति घंटे तक की रफ्तार से बफानी तूफान चलते रहते हैं। इस दौरान तीन मीलों परे आए जब बफानी तूफान के भयंकर घेघों के कारण वहाँ रह रहे प्राणियों का अस्तित्व भी समाप्त हो रहा था। दल के अनुसंधान केन्द्र की छत, बिमान की डक्ट और जनरेटर पूर्ण लाइंसों की काफी क्षति पहुँच चुकी थी और इनकी तुरन्त भरमत करना बहुत ज़रूरी था। ऐसे अवसर पर इन्होंने जिस बहादुरी और साहस का परिचय दिया वह बहुत अद्वितीय कोटि का था। इन्होंने अपनी सुरक्षा की बिल्कुल परवाह नहीं की और जमा देने वाले बफानी तूफान से जूँते हुए, समय पर भरमत कर्त्य पूरा करके अपने दल की जीवन रक्षा की। इसमें इन्हें चोटें आईं, हिम वंश कुशा नेकिन इन्होंने उसकी परवाह नहीं की और पूरी लगत और दृढ़ाग्न के साथ प्रहृति के उत्तर प्रहारों का मफ्तुलतापूर्वक सामना किया।

इस प्रकार लैफिटेट कर्नल सत्य स्वरूप शर्मा ने उत्कृष्ट साहस, नेतृत्व, पहलशक्ति और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. कैप्टन अनूप कुमार चंदोक (आई सी-38428), जम्मू तथा कश्मीर राष्ट्रपत्स।

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि 21 फरवरी, 1985)

कैप्टन अनूप कुमार चंदोक ने बहुत अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में तेज हवाओं, भारी हिमपात और बफानी तूफान के बीच प्रपत्ते दल का नेतृत्व किया और जम्मू तथा कश्मीर के एक बुर्जम झेत्र में जो बहुत कठिन काम हैं, सौंपा गया था उसे पूरा कर दिया। अपनी सुरक्षा की परवाह किए विना बहुत बहादुरी के साथ प्रकृति के तीखे प्रहारों का सामना करते हुए इन्होंने अपने दल का होसला बहाया और गहरी संकरी घाटियों, गहरे दूर तक फैले ग्लैशियरों और झेत्र की दीवारों को पार किया। हिमदंग से बायस होने के कारण इन्होंने सुरक्षित स्थान पर ले जाने की कोशिश की जा रही थी। परन्तु इन्होंने काम पूरा होने तक वहाँ से हटने से इंकार कर दिया। उस हिमदंग के कारण बाद में इनकी एक टांग को काट देना पड़ा।

इस प्रकार कैप्टन अनूप कुमार चंदोक ने उत्कृष्ट साहस, पहलशक्ति, नेतृत्व और उच्चकोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

सं० 105-प्रेज/85--राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को वीरता के लिए “शोर्य चक” प्रदान करने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :--

1. मेजर मेहर सिंह दहिया (आई सी-27788),  
(जाट लाइट इस्किन्डी)

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि 21 फरवरी, 1985)

मेजर मेहर सिंह दहिया एक बहुत ऊंचाई वाले इलाके में ठंड से जमा देने वाली तेज हवाओं के बीच और शून्य से 32 डिग्री नीचे के तापमान में अपने एक छोटे से गणी वल के साथ एक बहुत ही बुर्जम भूभाग में एक कठिन कार्य को पूरा करने के लिए पूरी रात भर चलते रहे। अपनी सुरक्षा की बिल्कुल परवाह न करते हुए वे अपने साथियों को प्रोत्साहित करते रहे और अंततः जम्मू तथा कश्मीर के एक अग्रिम झेत्र में सौंपे गए कार्य को पूरा करने ; सफल हुए।

इस प्रकार मेजर मेहर सिंह दहिया ने भनकरणीय साहस, बुर्ज-संकरण, प्रेरक नेतृत्व और उच्चकोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

2. 9922144 सिपाही नवांग योनतान (लद्वाबा स्काउट)

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि 21 फरवरी, 1985)

बहुत ऊंचाई वाले इलाके में ठंड से जमा देने वाली तेज हवाओं, भारी हिमपात और बफानी तूफान के बीच एक बहुत ही कठिन काम को पूरा करने में सिपाही नवांग योनतान ने अग्राधारण साहस और बुर्ज-संकरण का परिचय दिया। अपनी सुरक्षा की परवाह न कर इन्होंने सौंपे गए उस कठिन कार्य को सफलता से पूरा करने में बहुत बड़ा योगदान दिया।

इस प्रकार सिपाही नवांग योनतान ने पहलशक्ति, बुर्ज-संकरण, योनतान और उच्चकोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

सं० १०६—प्रेज/८५—राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को अनुसंधान कर्तव्य पराणयता या साहस के लिए “सेना मैडल”/“आर्मी मैडल” प्रदान करने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :—

१. जे० सी० ७७५३१ सूबेदार अम्बुल कादिर, सदाक्ष स्काउट।
२. ९९२१७१९ हवालदार छोरिग ग्रंथांगोक, सदाक्ष स्काउट।

मु० नीलकण्ठ,  
राष्ट्रपति का उप सचिव

योजना आयोग

(सामाजिक-आर्थिक अनुसंधान एक)

नई दिल्ली, दिनांक १८ सितम्बर १९८५

संकल्प

सं०ओ०-१५०११/१८२-सा० आ० अ०—योजना आयोग की विनांक ६-८-१९८२ की संकल्प मं० ओ०-१५०११/१८०—सा० आ० अ० और उसमें अनुवर्ती संशोधन के संदर्भ में।

योजना आयोग ने योजना से संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान संबंधी सलाह देने के लिए १९८२ में स्थापित की गई समिति (अनुसंधान सलाहकार समिति) का दिनांक ६-८-१९८५ से पुनर्गठन करने का निर्णय किया है। इसका गठन और विचारार्थ विषय नीचे दिए गए हैं :—

गठन

अध्यक्ष

१. प्रो० एम० चक्रवर्ती, योजना आयोग।

सदस्य

२. डा० सी० एच० हनुमलन राव, सदस्य, योजना आयोग।
३. डा० राजा जे० चेन्नया, सदस्य, योजना आयोग।
४. डा० ए० एम० शुश्रो, अध्यक्ष, राष्ट्रीय लोक वित्त और नीति संस्थान, विशेष संस्थागत क्षेत्र, नई दिल्ली-११००६७
५. डा० सी० रंगाराजन, उप राज्यपाल, भारतीय रिजर्व बैंक, बम्बई
६. डा० वाई० के० अलघ, अध्यक्ष, औद्योगिक लागत और कीमत व्यूरो, लोकनायक भवन, नई दिल्ली-११०००३
७. डा० के० कृष्णमौलि, निदेशक, आर्थिक संबूद्धि संस्थान, विश्वविद्यालय एनकेलैब, दिल्ली-७
८. प्रो० इकबाल नारायण, सदस्य भवित्व, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, ३५ किंग्सफील्ड रोड, नई दिल्ली ।
९. डा० ए० वाग्नी, निदेशक, राष्ट्रीय लोक वित्त और नीति संस्थान, विशेष संस्थागत क्षेत्र, नई दिल्ली-११००६७
१०. डा० ए० वैश्नवानन, प्रोफेसर, मद्रास विकास अध्ययन संस्थान, अदायर, मद्रास-६०००२०
११. डा० प्रवीण विसार्थी, निदेशक, गुजरात क्षेत्र योजना संस्थान, प्रीतम राज मार्ग, अहमदाबाद-३८०००६
१२. डा० ए० पी० गुप्त, भलाहकार (भावी योजना) योजना आयोग।
१३. डा० पी० सी० जोशी, सलाहकार, (अन्तर्राष्ट्रीय अर्थवास्त्र) योजना आयोग।
१४. डा० (श्रीमती) आर० तामराजकी, सलाहकार (श्रम, रोजगार और जनशक्ति) योजना आयोग।
१५. डा० पी० डी० मुखर्जी, गलाहकार (वित्तीय संसाधन) योजना आयोग।
१६. डा० ए० के० गोविल, परामर्शदाता (वित्तीय संनाधन) योजना आयोग।

#### महस्य मनिक

१७. डा० श्री० जी० भाटिया, सलाहकार (मुद्रा नीति और विकास), योजना आयोग।  
विचारार्थ विषय
- (१) योजना के लिए आवश्यक अनुसंधान के क्षेत्रों का निर्धारण करना, उन क्षेत्रों में अनुसंधान करने के लिए विद्वानों और संस्थाओं का निर्धारण करना, उपयुक्त अनुसंधान परियोजनाएँ तैयार करनां और योजना आयोग द्वारा वित्त व्यवस्था करने के लिए अनुमोदन के लिए उनकी जांच करना;

- (२) योजना से संबंधित क्षेत्रों में संस्थाओं/विद्वानों से स्वयं प्राप्त अनुसंधान अध्ययन प्रस्तावों की जांच करना; और योजना आयोग द्वारा वित्त व्यवस्था करने के लिए उनकी उपयुक्तता के बारे में सलाह देना;

- (३) योजना आयोग से आवर्ती सामाज्य अनुदानों द्वारा विभिन्न अनुसंधान संस्थाओं में वित्त व्यवस्था किए जाने वाले अनुसंधान कार्यक्रमों के बारे में खलाह देना, अर्थत् आर्थिक संबूद्धि संस्थान, विल्सी, गोखले राजनीति और अर्थगत्वात् संस्थान, पुणे और अर्थगत्वात् विभाग, बम्बई विभविद्वालय, बम्बई में किए जाने वाले अनुसंधान कार्यक्रमों के बारे में सलाह देना;

- (४) योजना आयोग की वित्तीय सहायता से विभिन्न अनुसंधान। संस्थाओं में आयोगित प्रशिक्षण और अनुसंधान-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में सलाह देना;

- (५) जनसाधान अनुसंधान संस्थान के अनुसंधान कार्यक्रम पर इस दृष्टि से विचार करना कि उसे योजना आयोग द्वारा प्रायोजित अर्थ अनुसंधान अध्ययनों के साथ संबद्ध किया जा सके;

- (६) योजना आयोग की वित्तीय सहायता से प्रकाशन के लिए पूरे किए गए अध्ययनों की उपयुक्तता के बारे में सलाह देना;

- (७) निर्धारित की गई विकास सम्प्याओं पर विचार-विस्तरी करने के लिए आयोजित की जाने वाली संगोष्ठियों की पूर्ण रूप से या आंशिक रूप से वित्त-व्यवस्था करने की उपयुक्तता के बारे में सलाह देना; और

- (८) उपर्युक्त कार्यों को करने के लिए संगत या प्रामाणिक किसी अर्थ विषय के बारे में सलाह देना।

२. यह समिति अध्यक्ष के निर्णय के अनुसार जिनकी बारे बाहें उनकी बारे बैठकें कर सकती हैं।

३. योजना आयोग का सामाजिक-आर्थिक अनुसंधान एक इस समिति के सचिवालय के रूप में कार्य करेगा।

४. इस समिति के गैर-सरकारी सदस्य इस समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए भारत सरकार के ग्रेड-१ अधिकारियों की स्वीकार्य योग्यता और ऐनिक भौति पनि के हक्कावार होंगे, जिसका भुगतान योजना आयोग द्वारा किया जाएगा।

५. यदि सरकार द्वारा अन्यथा अधिसूचित न किया जाए तो इस समिति का कार्यकाल ८ वर्ष जो ५-६-१९८८ को समाप्त होगा।

#### आवेदन

आदेश दिया जाता है कि इस प्रस्ताव की प्रति सभी संबंधितों को भेजी जाए और इसे आम जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

के० सी० अग्रवाल, निदेशक (प्रशासन)

## संसदीय कार्य मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 सितम्बर 1985

## संकल्प

सं० फा० 4(1)/85—हिन्दी—इस मंत्रालय के दिनांक 4 सितम्बर, 1985 के समर्संघक संकल्प के आधिक आशोधन में, संसदीय कार्य राज्य मंत्री, श्री सीता राम केमरी, संसदीय कार्य मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति के, श्रीमती भारती आल्चा, संसदीय कार्य राज्य मंत्री के स्थान पर, उपायक द्वारा होंगे।

देवराज तिवारी, उप सचिव

## पेट्रोलियम मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1985

## संकल्प

सं० जे—13013/1/85—सामान्य—पेट्रोलियम मंत्रालय के लिए वैज्ञानिक सलाहकार समिति की वर्तमान अवधि की समाप्ति पर इसका निम्न प्रकार पुनर्गठन किया गया है:—

1. प्रौ० एम० एम० शर्मा, रसायन हंजीनियरिंग के प्राध्यापक, बम्बई विश्वविद्यालय, रमायन प्रीपोगिकी विभाग, माटुंगा रोड, बम्बई-400019	अध्यक्ष
2. डा० एम० वरदगरजन, महानिदेशक एवं सचिव, भारत मरकार, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ।	मंदस्थ
3. डा० एन० के० तुरैस्वामी, निदेशक, राष्ट्रीय रमायन प्रयोगशाला, पुणे ।	"
4. श्री के० एन० वेंकटसूब्रह्मण्यन, विशेष कार्य अधिकारी (आर० एण्ड डी०) हंडियन पेट्रो-केमिकल्स कार्पोरेशन लि० बंगलौर ।	"
5. डा० आई० वी० गुलाटी, निदेशक भारतीय पेट्रोलियम संस्थान, हैदराबाद ।	"
6. डा० एच० एस० राव, प्रबन्ध निदेशक, नेशनल रिसर्च डिवेलपमेंट कार्पोरेशन आफ हंडिया, नई दिल्ली ।	"
7. डा० ए० वी० रामा राव, निदेशक, सेवीय अनुसंधान प्रयोगशाला, हैदराबाद ।	"
8. श्री एस० रामास्वर्मी, उप—महानिवेशक, डी० जी० टी० डी०, नई दिल्ली ।	"
9. डा० जे० एन० बहादुर, निवेशक, क्षेत्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, जोरहट ।	"

10. डा० ए० पी० कुड्डाङ्कर, डी०  
सारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पोवाय,  
बम्बई-400076

11. प्रौ० गोवर्धन महता,  
स्कूल आफ केमिस्टी,  
हैदराबाद विश्वविद्यालय,  
केन्द्रीय विश्वविद्यालय,  
पोरट आफिस, हैदराबाद-500134

12. डा० पी० के० मुख्योपाध्याय,  
निदेशक,  
इंडियन एयल कार्पोरेशन,  
(आर० एण्ड डी० केन्द्र),  
फरीदाबाद ।

13. श्री के० पी० गोयल,  
महाप्रबन्धक,  
पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान संघ,  
नई दिल्ली ।

14. डा० आर० कुल्लामूर्ति,  
प्रबन्धक,  
हंजीनियर्स इंडिया लि०,  
नई दिल्ली ।

15. मलाहकार (रमायन),  
रमायन एवं उर्वरक मंत्रालय,  
नई दिल्ली ।

2. पेट्रोलियम मंत्रालय में सचिव, संयुक्त सचिवों प्रोर मलाहकारों को समिति की बैठकों में स्थायी रूप से आमंत्रित किया जाएगा। अध्यक्ष, समिति की बैठक में भाग लेने के लिए अथवा समिति को सहायता देने के लिए किसी ग्रन्थ व्यक्ति (ग्रन्थितयों) को भी भी आमंत्रित कर सकता है।

3. समिति के संबंधित विषय निम्नलिखित होंगे:—

"विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी सम्बन्धी नीतियों पर और उन्हें वैधनों और रमायनों के रूप में हाइड्रोकार्बन कच्चे माल के अधिकातम संसाधन को सुनिश्चित करने की दृष्टि से कार्यान्वयित करने के उपायों पर मलाह देना ।"

4. समिति का कार्यकाल इस संकल्प के जारी होने की तिथि से 2 वर्षों की अवधि के लिए होगा। समिति की बैठकें प्रावश्यकतानुसार होंगी। परन्तु कम से कम तिमाही में एक बार होंगी। और यह पेट्रोलियम मंत्रालय में मरकार को समय-समय पर उपयुक्त सिफारिशें करेंगी।

5. समिति के लिए आवश्यक सचिवालय सहायता पेट्रोलियम मंत्रालय द्वारा दी जायेगी।

6. समिति के सदस्यों को किसी प्रकार का पारिश्रमिक नहीं दिया जायेगा। तथापि गैर-मरकारी सदस्यों के याका भस्त्र/महंगाई भस्ते पर होने वाला खर्च भारत मरकार द्वारा बहन किया जायेगा। मरकारी अधिकारियों/केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपकरणों के प्रतिनिधियों पर होने वाला याका भस्त्र/महंगाई भस्ते का खर्च सम्बन्धित विभाग/उपक्रम द्वारा बहन किया जाएगा। समिति पर होने वाला खर्च तेव उद्योग विकास बोर्ड द्वारा बहन किया जायेगा।

## आवेदन

आवेदन दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सभी राज्य मरकारों, संघ शासित प्रदेश के प्रशासनों, लोक सभा, राज्य सभा सचिवालयों और भारत सरकार के सम्बन्धित मंत्रालयों और विभागों को भेजी जाए।

टी० एन० आर० राव, संयुक्त सचिव

ओद्योगिक विकास विभाग  
तकनीकी विभाग महानिदेशालय  
नई दिल्ली, दिनांक 23 सितम्बर 1985  
संकल्प

सं० रेफ/4(4)/83/खण्ड 4—भारत सरकार ने 22 सितम्बर, 1983 को रिफैटरी उद्योग के लिए एक विकास नामिका का गठन किया था। यह नामिका 2 वर्ष की अवधि के लिए थी। विभिन्न उप-समितियों की सिवारियों पर आधारित अपरी रिपोर्ट को पूरा करते के उद्देश्य से, सरकार ने इस नामिका की अवधि को 31 मार्च, 1986 तक बढ़ाने का निर्णय किया है।

## आदेश

आदेश विद्या जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सभी सम्बन्धितों को भेजी जाए। यह भी आदेश विद्या जाता है कि इस संकल्प को आम सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

के० सी० गंजवाल, निदेशक (प्रशासन)

## कम्पनी कार्य विभाग

नई दिल्ली-1, दिनांक 24 सितम्बर 1985

## आदेश

सं० 27/9/83-सी० एन०-2—कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209-क की उप-धारा (1) के खण्ड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री उत्तम चन्द्र नहाना, उप निदेशक, निरीक्षण को कम्पनी कार्य विभाग में कथित धारा 209-क के उद्देश्यों के लिये प्राधिकृत करती है।

जी० बैंकटरमणी, अधिकारी सचिव

## कुप्रिय एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय

## कुप्रिय एवं सहकारिता विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 20 गिंतम्बर 1985।

सं० 18-6/85-एन०-डी०-1—भारतीय डेरी निगम की संघ नियमावली के अनुच्छेद 15(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति महोदय ने निम्नानुसार भारतीय डेरी निगम के वर्तमान निदेशक डोर्ड की कार्यकाल अवधि दिनांक 30-6-1986 तक सहर्ष बढ़ा दी है:—

- 1 डा० वी० कुरियन, : अध्यक्ष  
आध्यक्ष,  
भारतीय डेरी निगम,  
बड़ौदा।
- 2 श्री जी० एम० शाला, सदस्य  
प्रबंध निदेशक,  
भारतीय डेरी निगम,  
बड़ौदा।
- 3 श्री वी० एच० शाह, सदस्य  
प्रबंध निदेशक,  
कैरा जिला सहकारी दुर्गम उत्पादक यूनिं लि०,  
आर्णव।
- 4 श्री शी० एस० मराव, सदस्य  
अपर सचिव, [ ]  
कुप्रिय एवं सहकारिता विभाग,  
नई दिल्ली।

5 श्री एम० वाई० प्रियोलकर, सदस्य  
वित्तीय सलाहकार,  
कुप्रिय एवं सहकारिता विभाग,  
नई दिल्ली।

6 डा० ओ० एन० सिंह, सदस्य  
पशुपालन आयुक्त,  
कुप्रिय एवं सहकारिता विभाग  
नई दिल्ली।

7 डा० आर० पी० अनेजा, सदस्य  
सचिव,  
राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड,  
आरांद।

आर० के० राय चौधुरी, निदेशक

## भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1985

## (पुरातत्व)

सं० 32/10/84-स्मारक—भारत सरकार, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, संकल्प सं० 32/10/84-स्मा०, दिनांक 20-4-1985 के अनुसरण में, राज्य ममा/लोक सभा द्वारा चुने गए संस्थाओं/राज्य सरकारों/संघ शासित क्षेत्रों/अधिकारी द्वारा, विश्वविद्यालयों/भारत सरकार से प्राप्त सिफारिशों में से नामजद, जैसी भी स्थिति हो, निम्नलिखित व्यक्तियों को केन्द्रीय पुरातत्व समाहकार बोर्ड का सदस्य नियुक्त किया गया है:—

## 1 संसद द्वारा चुने गए सदस्य

[ श्री गुलाम रसूल, संसद सदस्य (राज्य ममा)  
13, कर्निंग लेन,  
नई दिल्ली

(i) श्री आर० पी० गायकवाड, संसद सदस्य (लोक सभा)  
7, सफदरजंग लेन,  
नई दिल्ली

(ii) श्री जैनूल बागेश, संसद सदस्य (लोक सभा)  
68, साउथ एवेन्यू,  
नई दिल्ली

## II. भारतीय हिलिहास कार्यालय का नामजद

प्रो० आर० एस० शर्मा,  
22, केवेलरी लाइस्स,  
दिल्ली विश्वविद्यालय,  
दिल्ली-110007

## III. प्रबंध सारतीय प्राप्त्य सम्मेलन

प्रो० आर० एन० देहेकर,  
महासचिव, अधिकारी भारतीय प्राप्त्य सम्मेलन,  
मण्डारकर प्राप्त्य अनुसंधान संस्थान, पुणे

## IV. एशियाटिक सोसायटी का नामजद

डा० अन्वन राय चौधुरी,  
एशियाटिक सोसायटी, कलकत्ता

## V. भारतीय पुरातत्व सोसायटी का नामजद

डा० शी० पी० अग्रवाल,  
शारीरिक अनुसंधान प्रयोगशाला नवरंगपुरा,  
ग्रहमताबाद

**VI.** भारतीय एतिहासिक परिषद, का नामजद  
अध्यक्ष,  
भारतीय एतिहासिक अनुसंधान परिषद  
जे-22, हीजबाग,  
नई दिल्ली।

**VII. भारतीय विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि**

- (i) डा० य० थी० मिह०  
प्रोफेसर, प्राचीन भारतीय इतिहास,  
संस्कृत और पुरातत्त्व विभाग,  
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय,  
कुरुक्षेत्र।
- (ii) डा० एम० के० धावलीकर,  
पुरातत्त्व के प्राध्यापक,  
दक्षकन कालेज,  
स्नातकोत्तर तथा अनुसंधान संस्थान,  
पुणे-411006
- (iii) डा० के० थी० रमन,  
प्रोफेसर तथा अध्यक्ष,  
प्राचीन इतिहास और पुरातत्त्व विभाग,  
मद्रास विश्वविद्यालय,  
मद्रास-500005
- (iv) प्रो० के० के० सिंहा  
पुरातत्त्व के प्राध्यापक,  
धनारत्न हिन्दू विश्वविद्यालय,  
बाराणसी-220005
- (v) प्रो० रेमिला थापर,  
ऐतिहासिक सम्पर्क नेतृत्व,  
सामाजिक विज्ञान विज्ञान विभाग,  
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय  
नई विल्ली।

**VIII. राज्य सरकारों/संघ शासित क्षेत्रों के प्रतिनिधि**

- (i) पुरातत्त्व और संग्रहालय निदेशक,  
भारतीय प्रदेश सरकार,  
हैदराबाद।
- (ii) श्री जी० एन० भुयाम,  
पुरातत्त्व और राज्य संग्रहालय निदेशक,  
भ्रसम सरकार,  
गोहाटी।
- (iii) डा० सीता राम राय,  
पुरातत्त्व और संग्रहालय निदेशक,  
दिल्ली सरकार,  
पटना।
- (iv) पुरातत्त्व निदेशक,  
गुजरात सरकार,  
ग्रहमदाबाद।
- (v) पुरातत्त्व निदेशक,  
हरियाणा सरकार,  
चंडीगढ़।
- (vi) श्री एस० एन० जोशी,  
निदेशक, भाषा और संस्कृति,  
हिमाचल प्रदेश सरकार,  
चिमला।

- (vii) श्री पीरजादा अली मोहम्मद,  
अधिलेखाकार, पुस्तकालय और संग्रहालय निदेशक,  
जम्मू और कश्मीर सरकार,  
श्रीनगर।
- (viii) पुरातत्त्व और संग्रहालय निदेशक,  
कर्मठीक सरकार,  
बंगलौर।
- (ix) डा० के० महेश्वरन तेयर, पुरातत्त्व निदेशक  
केरल सरकार,  
क्रिकेट्स्ट्रीम।
- (x) पुरातत्त्व और संग्रहालय निदेशक,  
मध्य प्रदेश सरकार,  
मोपाल।
- (xi) श्री ए० थी० जमखेदकर,  
पुरातत्त्व और संग्रहालय निदेशक,  
महाराष्ट्र सरकार,  
बम्बई।
- (xii) मचिव,  
शिक्षा विभाग,  
मणिपुर सरकार,  
इम्फाल।
- (xiii) उप स्तोक शिक्षा निदेशक,  
संग्रहालय और अधिलेखाकार प्रभारी,  
मेघालय सरकार,  
शिलांग।
- (xiv) श्री एम० अलेमचीबा आब,  
संयुक्त कला और संस्कृति निदेशक,  
नागालैंड सरकार,  
कोहिमा।
- (xv) श्री डी० एस० शिपाठी,  
संस्कृति निदेशक,  
उड़ीसा सरकार,  
भुवनेश्वर।
- (xvi) श्रीमती गीतिका कल्हा,  
पुरातत्त्व निदेशक,  
पंजाब सरकार,  
चंडीगढ़।
- (xvii) श्री पी० एल० जनवरी,  
पुरातत्त्व और संग्रहालय निदेशक,  
राजस्थान सरकार,  
जयपुर।
- (xviii) श्री के० तुपदेन,  
मचिव,  
सोस्कृतिक कार्य विभाग,  
सिक्किम सरकार,  
गंगटोक।
- (xix) पुरातत्त्व निदेशक,  
तमिलनाडु सरकार,  
मद्रास।
- (xx) सचिव,  
शिक्षा विभाग,  
त्रिपुरा सरकार,  
ग्रामरदहा।

(xxi) श्री डो० बी० सिन्हा,  
निरेश, सांस्कृतिक कार्य  
उन्नर प्रदेश सरकार,  
लखनऊ।

(xxii) पुरातत्व निदेशक,  
पश्चिम उंगाल सरकार,  
३३, विन्देशन एवेन्यु।  
कलकत्ता।

(xxiii) श्री आर० एम० चारी,  
सचिव (शिक्षा),  
अंडमान और निकोबार प्रशासन,  
पोर्ट ब्लैयर।

(xxiv) डॉ डो० बी० बोरा, सचिव अनुसंधान  
प्रणाली प्रदेश सरकार,  
ईटानगर।

(xxv) श्री के० डो० विहू,  
उप वन संरक्षक,  
दादरा और नागर हवेली प्रशासन,  
सिलेश्वर।

(xxvi) निदेशक (पुरातत्व),  
विल्हेम प्रशासन,  
पुरापा सचिवालय, स्टोफन कालेज विल्हेम,  
कश्मीरी घेट,  
विल्हेमी-110006।

(xxvii) श्री बी० बी० भाट,  
अधिकारीकार, पुरातत्व और संग्रहालय प्रभारी,  
गोवा, वसन और योव सरकार,  
पणजी।

(xxviii) मुख्य प्रशासक,  
लक्षद्वीप प्रशासन,  
काशीनगर।

(xxix) सचिव, शिक्षा विभाग,  
मिजोरम सरकार,  
आईजावल।

(xxx) श्री एफ० सिरिल एंटोनी,  
संग्रहालय,  
पांडिचेरी संग्रहालय,  
पांडिचेरी।

(xxxi) श्री बी० एन० सिह,  
संग्रहालय और कलाशीषि निदेशक,  
चंडीगढ़ प्रशासन, सैक्टर 10, चंडीगढ़।

## IX. वैज्ञानिक :—

(i) डॉ बी० बी० लाल,  
47, सुभाष मार्ट,  
देहरादून।

(ii) डॉ विष्णु मित्रा,  
दीर्घव नाहनी अन्तर्राष्ट्रीय फार्मिल विज्ञान संस्थान,  
५३, विश्वविद्यालय मार्ग,  
पोस्ट बाक्स सं० १०६,  
लखनऊ।

## X. केंद्रीय सरकार के नामजद —

(i) प्रो० के० एस० बहेरा,  
कला हितामकार,  
उत्कल विश्वविद्यालय,  
भुवनेश्वर।

(ii) डॉ एस० बी० देव,  
द्वारा दक्षन कालेज,  
स्मातकोत्तर और अनुसंधान संस्थान,  
पुणे-४११००६।

(iii) डॉ जे० ए० देसाई  
पुरालेखशास्त्री,  
१४, सरणेश पार्क,  
सरकेज रोड,  
महाराष्ट्रा-३८३०५५।

(iv) प्रो० जी० आर० शर्मा,  
७१, दिलकुश,  
इलाहाबाद।

(v) प्रो० ए० नागराजु,  
इतिहास और पुरातत्व विभाग के प्रब्लेम,  
केंद्रीय हिंदूराष्ट्र विश्वविद्यालय,  
“गोडल घोषोल्ड”, नामपाली,  
८वी मार्ग,  
हिंदूराष्ट्र।

डॉ एम० एस० नाग

## निम्नांग और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली दिनांक 30 अगस्त 1983

## संकल्प

सं० ई-11017/11/83-हिंदी—इस मंत्रालय के दिनांक 17 अक्टूबर,  
1984 के संकल्प संख्या ई-11017/11/83-हिंदी (भारत के राजपत्र  
के मार्ग—I खण्ड 1 में सा० का० नि० सं० 10 में दिनांक ८-३-८५ को  
प्रकाशित) में निम्नलिखित को एक टिप्पणी के रूप में जड़ा हुआ ममता  
जाय :—

“टिप्पणी : (i) पुरस्कार वर्ष अवधि 1984-86, 1986-88, 1988-90  
और ऐसे ही आगे जलते रहेंगे।

(ii) किसी पुरस्कार वर्ष के दीरान विचारार्थ पाल पुस्तकों अनुवर्ती  
विस्तीर्ण वर्ष के 30 अनु तक स्वीकार की जायेगी। (उदाहरण—पुरस्कार वर्ष 1984-86 के लिए विचारार्थ पाल  
पुस्तकों 30 अगस्त, 1986 तक स्वीकार की जायेगी) इसके बाव  
प्राप्त होने वाली पुस्तकों पर पुरस्कार के लिए विचार नहीं  
किया जाएगा।

(iii) केवल संबंधित पुरस्कार वर्ष के दीरान लिखी/अनुदित/प्रकाशित  
पुस्तकों को ही विचारार्थ स्वीकार किया जाएगा।

## आवेदन

आवेदन दिया जाता है कि संकल्प की एक प्रति राज्य सरकारी, संघ  
राज्य शैक्षणी, प्रधान मंत्री सचिवालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, संसदीय कार्य  
मंत्रालय, सोकर्गज्य मंत्री सचिवालय और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों  
स्थायी विभागों को भेजी जाए।

यह भी आवेदन दिया जाता है कि जन साधारण की सुन्नता के लिए  
इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

श्री० एम० गुप्ता, उप सचिव

## PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 7th October 1985

No. 103-Pres./85.—The President is pleased to approve the award of "ASHOKA CHAKRA" to the following person for acts of bravery of the highest order :—

9920311 LANCE HAVILDAR CHHERING MUTUP,  
LADAKH SCOUTS.

(Effective date of the award : 21st February, 1985)

Lance Havildar Chhering Mutup was required to accomplish an extremely difficult assignment in one of the forward locations of Jammu and Kashmir. Undeterred by extremely hostile conditions of altitude, high velocity winds, heavy snow and blizzards, Lance Havildar Chhering Mutup led his patrol gallantly from fold to fold and accomplish the assignment. In the process, he exhibited the most conspicuous courage, bold initiative and presence of mind.

Lance Havildar Chhering Mutup thus displayed the most conspicuous gallantry, cool courage and devotion to duty of an exceptionally high order.

No. 104-Pres./85.—The President is pleased to approve the award of "KIRTI CHAKRA" to the undermentioned persons for acts of conspicuous gallantry :—

## 1. LIEUTENANT COLONEL SATYA SWAROOP SHARMA (IC-16529) ENGINEERS.

(Effective date of the award : 1st March, 1984)

Lieutenant Colonel Satya Swaroop Sharma of the Research and Development Establishment (Engineers), Dighi, Pune, volunteered for the 3rd Antarctica Expedition and was appointed Leader of the first wintering party of the Indian Research Station at Antarctica (Dakshin Gangotri) during the period 1st March, 1984 to 15th February, 1985. This was the first time then an Indian Expedition had been stationed in Antarctica throughout the winter with the temperature dropping to minus 50 degree celcius and blizzards blowing up to speeds of 300 kilometres per hour. The officer exhibited exceptional courage and bravery by personal example on three different occasions against the onslaught of the relentless blizzards which threatened the very existence of the habitat. Expeditions repairs had to be undertaken to the damaged roof, air ducts and generator fuel lines while the blizzards was blowing. Realising that if the repairs were not effected immediately, the habitat would be unusable, Lieutenant Colonel Satya Swaroop Sharma undertook the task exposing himself to great danger, in total disregard to his own safety and achieved his objective of ensuring the safety of the camp by timely remedial action. In this process he received injuries and frost bite, yet he continued with determination, grit and ingenuity to overcome the ravages of the extreme climatic conditions.

Lieutenant Colonel Satya Swaroop Sharma thus displayed conspicuous courage, leadership, initiative and devotion to duty of a very high order.

## 2. CAPTAIN ANOOP KUMAR CHANDHOK (IC-38428), JAMMU AND KASHMIR RIFLES

(Effective date of the award : 21st February, 1985)

Undeterred by heavy odds, Captain Anoop Kumar Chandhok led his men in extremely high altitudes, in conditions of high velocity winds, heavy snow and blizzards and accomplished a difficult assignment in one of the forward areas in Jammu and Kashmir. In leading his patrol, the officer unmindful of his own safety exhibited rare courage and by personal example motivated his men to negotiate crevices, steep glacial slopes and ice wall. Despite being frost bitten he refused to be evacuated till the accomplishment of the task. Later his frost bitten leg had to be amputated.

Captain Anoop Kumar Chandhok thus displayed conspicuous courage, initiative, leadership and devotion to duty of a very high order.

No. 105-Pres./85.—The President is pleased to approve the award of "SHAURYA CHAKRA" to the undermentioned persons for acts of gallantry :—

1. MAJOR MEHAR SINGH DAHIYA (IC-27788),  
J&K LIGHT INFANTRY.

(Effective date of the award : 21st February, 1985)

Major Mehar Singh Dahiya with a small patrol marched throughout the night over most difficult terrain at high altitude with the temperature touch'ng minus 32 degree celcius, high velocity winds blowing to accomplish a difficult assignment by personal example, he successfully completed his mission in one of the forward areas in Jammu and Kashmir.

Major Mehar Singh Dahiya thus exhibited exemplary courage, resolute determination, inspiring leadership and devotion to duty of a high order.

2. 9922144 SEPOV NAWANG YONTAN,  
LADAKH SCOUTS.

(Effective date of the award : 21st February, 1985)

In the accomplishment of an extremely difficult assignment at high altitude and in conditions of high velocity winds, heavy snow and blizzards, Sepov Nawang Yontan exhibited courage and determination of a high order. Unmindful of his personal safety, he contributed significantly to the successful accomplishment of the assigned task.

Sepov Nawang Yontan thus exhibited initiative, determination, courage and devotion to duty of a high order.

No. 106-Pres./85.—The President is pleased to approve the award of the "SENA MEDAL" "ARMY MEDAL" to the undermentioned personnel for acts of exceptional devotion to duty or courage :—

1. JC-77531 Subadar Abdul Qadir, Ladakh Scouts.
2. 9921719 Havildar Chhering Angchok, Ladakh Scouts.

S. NITAKANTAN  
Dy. Secy. to the President

PLANNING COMMISSION  
(SOCIO-ECONOMIC RESEARCH UNIT)

New Delhi, the 18th September 1985

## RESOLUTION

No. O. 15011|1|82-SER.—Reference Planning Commission's Resolution No. Q. 15011|1|80-SER dated 6-8-1982 and the subsequent amendments thereto.

The Planning Commission has decided to reconstitute the Committee (Research Advisory Committee) set up in 1982 to advise it on research in areas relating to planning, with effect from 6-8-1985. Its composition and terms of reference are set out below :—

## COMPOSITION

## Chairman

1. Prof. S. Chakravarty, Planning Commission.

## Members

2. Dr. C. H. Hanumantha Rao, Member, Planning Commission.
3. Dr. Raja J. Chelliah, Member, Planning Commission.
4. Dr. A. M. Khusro, Chairman, National Institute of Public Finance & Policy, Special Institutional Area, New Delhi-110067.
5. Dr. C. Rangarajan, Dy. Governor, Reserve Bank of India, Bombay.
6. Dr. Y. K. Alagh, Chairman, Bureau of Industrial Costs & Prices, Lok Nayak Bhavan, New Delhi-110003.
7. Dr. K. Krishnamurthy, Director, Institute of Economic Growth, University Enclave, Delhi-7.

8. Prof. Iqbal Narain, Member Secretary, Indian Council of Social Sciences Research, 35, Ferozeshah Road, New Delhi.
9. Dr. A. Bagchi, Director, National Institute of Public Finance & Policy, Special Institutional Area, New Delhi-110067.
10. Dr. A. Vaidyanathan, Professor, Madras Institute of Development Studies Adayar, Madras-600020.
11. Dr. Praveen Visaria, Director, Gujarat Institute of Area Planning, Preetam Raj Marg, Ahmedabad-380006.
12. Dr. S. P. Guria, Adviser (Perspective Planning), Planning Commission.
13. Dr. P. C. Joshi, Adviser (International Economics), Planning Commission.
14. Dr. (Mrs.) R. Thamarajakshi, Adviser (Labour, Employment & Manpower), Planning Commission.
15. Dr. P. D. Mukherjee, Adviser (Financial Resources), Planning Commission.
16. Shri S. K. Govil, Consultant (Financial Resources), Planning Commission.

*Member-Secretary*

17. Dr. V. G. Bhatia, Adviser (Monetary Policy and Development), Planning Commission.

*Terms of Reference*

(i) To identify areas of research essential for planning, identify scholars and institutions for undertaking research in those areas, get appropriate research projects formulated and process them for approval for financing by the Planning Commission;

(ii) To examine research study proposals received from institutions/scholars on their own in areas relevant to planning and advise on their suitability for financing by the Planning Commission;

(iii) To advise on the research programmes that are various research institutions by recurring block grants from the grant from the Planning Commission i.e. those in the Institute of Economic Growth, Delhi, Gokhale Institute of Politics & Economics, Pune and the Department of Economics, Bombay University, Bombay;

(iv) To advise on the training and research-cum-training programmes organized in different research institutions with financial assistance from the Planning Commission;

(v) To consider the research programme of the Institute of Applied Manpower Research with a view to dovetailing it with other research studies sponsored by the Planning Commission;

(vi) To advise on the suitability of the completed studies for publication with financial assistance from the Planning Commission;

(vii) To advise on the suitability of financing, partly or wholly, seminars which may be organized to discuss identified development programmes; and

(viii) To advise on any other matter relevant or incidental to the problems of the above functions.

2. The Committee may meet as often as may be decided by its Chairman. Normally, its meetings will be held at New Delhi.

3. The Socio-Economic Research Unit of the Planning Commission will function as Secretariat of the Committee.

4. The non-official members of the Committee will be entitled to travel and daily allowances for attending the meetings of the Committee as admissible to Grade-I officers of the Government of India, which will be paid by the Planning Commission.

5. The Committee will have a tenure of three years ending 5-8-1988 unless otherwise notified by the Government.

**ORDER**

Ordered that a copy of the Resolution by communicated to all concerned and that it be published in the GAZETTE OF INDIA for general information.

K. C. AGARWAL, Director (Administration)

**MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS**

New Delhi, the 25th September 1985

**RESOLUTION**

No. F. 4(1)185-Hindi.—In partial modification of this Ministry's Resolution of even number dated the 4th September, 1985, Minister of State, Shri Sita Ram Kesari, will be the Vice-Chairman of Hindi Sahakar Samiti of the Ministry of Parliamentary Affairs vice Smt. Margaret Alva, Minister of State of Parliamentary Affairs.

D. R. TIWARI, Dy. Secy.

**MINISTRY OF PETROLEUM**

New Delhi, the 16th September 1985

**RESOLUTION**

No. J-13013|1|85-GEN.—On the expiry of its present term the Scientific Advisory Committee for the Ministry of Petroleum, has been reconstituted as under :—

**Chairman**

1. Prof. M. M. Sharma,  
Professor of Chemicals Engineering,  
University of Bombay,  
Department of Chemical Technology,  
Matunga Road, BOMBAY-400019.

**Members**

2. Dr. S. Varadarajan, Director General & Secretary to the Govt. of India, CSIR, NEW DELHI.
3. Dr. L. K. Doraiswamy, Director, National Chemical Laboratory, PUNE.
4. Shri K. N. Venkatasubramanian, OSD (R&D), Indian Petrochemicals Corporation Limited, BARODA.
5. Dr. I. B. Gulati, Director, Indian Institute of Petroleum, DEHRA DUN.
6. Dr. H. S. Rao, Managing Director, National Research Development Corp. of India NEW DELHI.
7. Dr. A. V. Rama Rao, Director, Regional Research Laboratory, HYDERABAD.
8. Mr. S. Ramaswamy, Dy. Director General, DGTD, NEW DELHI.
9. Dr. J. N. Baruah, Director, Regional Research Laboratory, JORHAT.
10. Dr. A. P. Kundadker, Dean (R&D), Indian Institute of Technology, POWAI, BOMBAY-400076.
11. Prof. Goverdhan Mehta, School of Chemistry University of Hyderabad, Central University P.O., Hyderabad-500134.
12. Dr. P. K. Mukhonadhyaya Director, Indian Oil Corporation (R&D Centre), FARIDABAD.
13. Shri P. K. Goel, General Manager, Petroleum Conservation Research Association NEW DELHI.
14. Dr. R. Krishnamurthy Manager, Engineers India Limited, NEW DELHI.

**15. Adviser (Chemicals),  
Ministry of Chemicals & Fertilizers,  
NEW DELHI.**

**2. Secretary, Petroleum, Joint Secretaries and Advisers in the Ministry of Petroleum will be permanent invitees to the Committee Meetings. The Chairman may also invite any other person(s) to attend the Meeting of the Committee or to assist the Committee.**

**3. The terms of reference of the Committee will be as under :—**

"To advise on policies relating to Science and Technology and measures to implement them to ensure optimum processing of Hydrocarbon Raw Material for use as fuels and Chemicals"

**4. The term of the Committee will be for a period of 2 years from the date of issue of this Resolution. The Committee shall meet as often as necessary but atleast once a quarter, and will make suitable recommendations to the Government in the Ministry of Petroleum from time to time.**

**5. The Secretarial assistance required for the Committee will be provided by the Ministry of Petroleum.**

**6. No remuneration will be paid to the Members of the Committee. However the expenditure on TA/DA of the non-Official Members will be met by the Government of India. TA/DA of Government Officials|representatives of Central Public Sector Undertakings will be met by the concerned Department|Undertakings. The expenditure on the Committee will be borne by the Oil Industry Development Board.**

#### ORDER

Ordered that a copy of the Resolution be communicated to all the State Governments, Union Territory Administrations, Lok Sabha and Rajya Sabha Secretariats and the concerned Ministries and Departments of the Government of India.

T. N. R. RAO, Jt. Secy.

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)  
DIRECTORATE GENERAL OF TECHNICAL  
DEVELOPMENT

New Delhi, the 23rd September 1985

#### RESOLUTION

No. Ref[4(4)|83|Vol.IV.—Government of India had constituted Development Panel for Refractory Industry on 22nd September, 1983. The tenure of this Panel was for a period of 2 years. In order to enable the Panel to complete its report based on the recommendations of its various Sub-Committees, Government has decided to extend the tenure of this Panel upto 31st March, 1986.

#### ORDER

Ordered that a copy of the Resolution be communicated to all concerned. Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

K. C. GANJWAL, Director (Admn.)

MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS  
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

New Delhi, the 24th September 1985

#### ORDER

No. 27|9|85-CL.II.—In exercise of the powers conferred by clause (ii) of sub-section (i) of Section 209-A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby authorise Shri Uttam Chand Nahata, Deputy Director, Inspection in the Department of Company Affairs for the purpose of said Section 209-A.

G. VENKATARAMANI, Under Secy.

MINISTRY OF AGRI. & RURAL DEVELOPMENT  
(DEPTT. OF AGRI. & COOPERATION)

New Delhi, the 20th September 1985

No. 18-6|85-LD-I.—In exercise of the powers conferred by Article 15(2) of the Articles of Association of the Indian Dairy Corporation, the President is pleased to extend the term of the present Board of Directors of the Indian Dairy Corporation as indicated below till 30-6-1986 :—

*Chairman*

1: Dr. V. Kurien  
Chairman,  
Indian Dairy Corporation,  
Baroda.

*Members*

2. Shri G. M. Jhala,  
Managing Director,  
Indian Dairy Corporation,  
Baroda.
3. Shri V. H. Shah,  
Managing Director,  
Kaira Distt. Coop. Milk  
Producer's Union Ltd.,  
Anand.
4. Shri B. S. Sarao,  
Additional Secretary,  
Dept. of Agri. & Coopn.,  
New Delhi.
5. Shri M. Y. Priolkar,  
Financial Adviser,  
Dept. of Agri. & Coopn.,  
New Delhi.
6. Dr. O. N. Singh,  
Animal Husbandry Commissioner,  
Dept. of Agri. & Coopn.,  
New Delhi.
7. Dr. R. P. Aneja,  
Secretary,  
National Dairy Development Board,  
Anand.

R. K. ROY CHOWDHURY, Director

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi, the 24th September 1985

(ARCHAEOLOGY)

No. 32|10|84-M.—In pursuance of the Government of India, Archaeological Survey of India Resolution No. 32|10|84-M, dated 20-4-1985, the undermentioned persons elected by the Rajya Sabha/Lok Sabha, nominated by the learned institutions/State Governments/Union Territories/the Chairman from amongst recommendations received from Universities/the Government of India, as the case may be, have been appointed Members of the Central Advisory Board of Archaeology :—

I. *Members elected by Parliament*

- (i) Shri Ghulam Rasool Matto,  
M.P. (Rajya Sabha),  
13, Canning Lane,  
New Delhi.
- (ii) Shri R. P. Gaekwad,  
M.P. (Lok Sabha),  
7, Safdarjung Lane,  
New Delhi.
- (iii) Shri Zainul Basher,  
M.P. (Lok Sabha),  
68, South Avenue,  
New Delhi.

II. *Nominee of Indian History Congress*

Prof. R. S. Sharma,  
22, Cavalry Lines,  
University of Delhi,  
Delhi-110007.

**III. Nominee of All India Oriental Conference**

Prof. R. N. Dandekar,  
General Secretary,  
All India Oriental Conference,  
Bhandarkar Oriental Research Institute,  
Pune.

**IV. Nominee of Asiatic Society**

Dr. Chandan Roy Chaudhuri,  
Asiatic Society,  
Calcutta.

**V. Nominee of the Archaeological Society of India**

Dr. D. P. Agarwal,  
Physical Research Laboratory,  
Navrangpura,  
Ahmedabad.

**VI. Nominee of the Indian Council of Historical Research**

Chairman,  
Indian Council of Historical Research,  
J-22, Hauz Khas,  
New Delhi.

**VII. Representatives of Universities of India**

- (i) Dr. U. V. Singh,  
Professor,  
Department of Ancient Indian  
History, Culture & Archaeology,  
Kurukshetra University,  
Kurukshetra.
- (ii) Dr. M. K. Dhavalikar,  
Professor of Archaeology,  
Deccan College,  
Post Graduate and Research Institute,  
Pune-411006.
- (iii) Dr. K. V. Raman,  
Professor and Head,  
Department of Ancient History & Archaeology,  
University of Madras,  
Madras-500005.
- (iv) Prof. K. K. Sinha,  
Professor of Archaeology,  
Banaras Hindu University,  
Varanasi-221005.
- (v) Prof. Romila Thapar,  
Centre for Historical Studies,  
School of Social Sciences,  
Jawaharlal Nehru University,  
New Delhi.

**VIII. Representatives of State Governments/Union Territories**

- (i) Director of Archaeology & Museums,  
Government of Andhra Pradesh,  
Hyderabad.
- (ii) Shri G. N. Bhuyan,  
Director of Archaeology & State Museum,  
Government of Assam,  
Gauhati.
- (iii) Dr. Sita Ram Roy,  
Director of Archaeology & Museums,  
Government of Bihar,  
Patna.
- (iv) Director of Archaeology,  
Government of Gujarat,  
Ahmedabad.
- (v) Director of Archaeology,  
Government of Haryana,  
Chandigarh.
- (vi) Shri S. N. Joshi,  
Director,  
Language and Culture,  
Government of Himachal Pradesh,  
Simla.
- (vii) Shri Peerzada Ali Mohd.,  
Director of Archives, Library and Museums,  
Government of Jammu & Kashmir,  
Srinagar.

(viii) Director of Archaeology & Museums,  
Government of Karnataka,  
Bangalore.

(ix) Dr. K. Maheswaran Nair,  
Director of Archaeology,  
Government of Kerala,  
Trivandrum.

(x) Director of Archaeology & Museums,  
Government of Madhya Pradesh,  
Bhopal.

(xi) Shri A. P. Jamkhedkar,  
Director of Archaeology & Museums,  
Government of Maharashtra,  
Bombay.

(xii) Secretary,  
Department of Education,  
Government of Manipur,  
Imphal.

(xiii) Deputy Director of Public Instructions  
Incharge Museums & Archives,  
Government of Meghalaya,  
Shillong.

(xiv) Shri M. Alembhiba Ao,  
Joint Director of Art & Culture,  
Government of Nagaland,  
Kohima.

(xv) Shri D. S. Tripathy,  
Director of Culture,  
Government of Orissa,  
Bhubaneswar.

(xvi) Mrs. Geetika Kalha,  
Director of Archaeology,  
Government of Punjab,  
Chandigarh.

(xvii) Shri P. L. Chakravarty,  
Director of Archaeology & Museums,  
Government of Rajasthan,  
Jaipur.

(xviii) Shri K. Tupden,  
Secretary,  
Department of Cultural Affairs,  
Government of Sikkim,  
Gangtok.

(xix) Director of Archaeology,  
Government of Tamil Nadu,  
Madras.

(xx) Secretary,  
Department of Education,  
Government of Tripura,  
Agartala.

(xxi) Shri D. P. Sinha,  
Director of Cultural Affairs,  
Government of Uttar Pradesh,  
Lucknow.

(xxii) Director of Archaeology,  
Government of West Bengal,  
33, Chittaranjan Avenue,  
Calcutta.

(xxiii) Shri R. S. Chari,  
Secretary (Education),  
Andaman & Nicobar Administration,  
Port Blair.

(xxiv) Dr. D. K. Bora,  
Secretary, Research,  
Government of Arunachal Pradesh,  
Itanagar.

(xxv) Shri K. D. Singh,  
Deputy Conservator of Forest,  
Dadra and Nagar Haveli Administration,  
Silvassa.

(xxvi) Director (Archaeology),  
Delhi Administration,  
Old St. Stephens College Building,  
Kashmere Gate,  
Delhi-110006.

(xxvii) Shri V. V. Bhat,  
Incharge of Archives, Archaeology & Museums,  
Government of Goa, Daman & Diu,  
Panaji.

(xxviii) Chief Administrator,  
Laksha Deep Administration,  
Kawarathy.

(xxix) Secretary,  
Department of Education,  
Government of Mizoram,  
Aizawl.

(xxx) Shri F. Cyril Antony,  
Curator,  
Pondicherry Museums,  
Pondicherry.

(xxxi) Shri V. N. Singh,  
Director, Museum & Art Gallery,  
Chandigarh Administration, Sector 10,  
Chandigarh.

(v) Prof. S. Nagaraju,  
Head of the Department of History and Archaeology,  
Central University of Hyderabad,  
"Golden Threshold", Nampalli 8th Road,  
Hyderabad.

DR. M. S. NAGARAJA RAO  
Director General

**MINISTRY OF WORKS AND HOUSING**

New Delhi, the 30th August 1985

**RESOLUTION**

No. E-11017/11/83-Hindi.—The following may be deemed to have been added as a Note Under Para 6 of this Ministry's Resolution No. E-11017/11/83-Hindi dated 17th November, 1984 (Published in the Part-I Section 1 of the Gazette of India vide G.S.R. 10 dated 9-3-1985.

**IX. Scientists**

(i) Dr. B. B. Lal,  
47, Subash Road,  
Dehradun.

(ii) Dr. Vishnu Mittre,  
Birbal Sahani Institute of Palaeobotany,  
53, University Road,  
Post Box No. 106,  
Lucknow.

**X. Nominee of the Central Government**

(i) Prof. K. S. Behera,  
Art Historian,  
Utkal University.  
Bhubaneswar.

(ii) Dr. S. B. Deo,  
C/o Deccan College,  
Post Graduate and Research Institute,  
Pune-411006.

(iii) Dr. Z. A. Desai,  
Ephigraphist,  
14, Khurshid Park,  
Sarkhej Road,  
Ahmedabad-383055.

(iv) Prof. G. R. Sharma,  
71, Dilkusha,  
Allahabad.

"NOTE : (i) The Award years will be 1984-86, 1986-88, 1988-90 and so on.

(ii) Books eligible for consideration during a particular Award year will be accepted upto the 30th June of the following financial years (Example-books eligible for consideration for the award-year 1984-86 will be accepted upto 30-6-1986). Books received thereafter will not be considered for award.

(iii) Books written/translated/published during the related award year only will be accepted for consideration."

**ORDER**

ORDERED that a copy of the resolution be communicated to all State Governments, Union Territories, Prime Minister's Secretariat, Cabinet Secretariat, Ministry of Parliamentary Affairs, Lok Sabha/Rajya Sabha Secretariat and all the Ministries and Departments of Government of India.

ORDERED further that the Resolution be published in the *Gazette of India* for general information.

B. M. GUPTA, Dy. Secy.

